Sociology (समाजशास्त्र)

Part – A
2 MARKS

RAS 2016 SPECIAL MAINS (GS-I)

1. Identify any four social values enumerated in the Preamble of Constitution of India.

भारत के संविधान की प्रस्तावना में उल्लेखित किन्हीं चार सामाजिक मूल्यों को रेखांकित कीजिए।

भारत के संविधान की प्रस्तावना में उल्लेखित सामाजिक मूल्य–

1. विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता।
2. प्रतिष्ठा और अवसर की समता।
3. व्यक्ति की गरिमा।
4. बंधुता।

2. Write the names of four Ashrams in chronological order.

क्रमानुसार चार आश्रमों के नाम लिखिए।

क्रमानुसार चार आश्रम

1. ब्रह्मचर्याश्रम
2. गृहस्थाश्रम
3. वानप्रस्थाश्रम
4. संन्यासाश्रम

3. When and why 'Saagri Prohibition Act' was passed in Rajasthan?

राजस्थान में सागड़ी प्रथा निषेध अधिनियम कब और क्यों पारित किया गया?

- राजस्थान में सागड़ी प्रथा निषेध अधिनियम, 1961 में पारित किया गया। इस अधिनियम के जरिए बंधुआ मजदूर गुलामी से मुक्त हुए और उनके कार्य की समाप्ति हुई। गुलामी की इस प्रथा को कानून द्वारा संज्ञेय दंडनीय अपराध बनाया गया।

4. What do you understand by Secularism?

धर्म-निरपेक्षता से आप क्या समझते हैं?

- धर्म निरपेक्षता का अर्थ है कि राज्य राजनीति या किसी गैर धार्मिक मामले से दूर रखें तथा सरकार धर्म के आधार पर किसी से भी कोई भेदभाव नहीं करें। भारतीय संविधान में धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार (अनु. **25-28**) 'धर्म निरपेक्षता' को स्पष्ट करते हैं।

5. Name four districts of Rajasthan Where tribal population is concentrated.

राजस्थान के उन चार जिलों के नाम बताइए जहाँ जनजातीय जनसंख्या केन्द्रित हैं।

1. उदयपुर
2. डूंगरपुर
3. बाँसवाड़ा
4. प्रतापगढ़
5. राजसमंद
6. चित्तौड़गढ़
7. पाली

RAS 2016 MAINS (GS-I)

1. Name four classical Indian sociologists who have made pioneering contributions to Indian Sociology.

उन चार शास्त्रीय भारतीय समाजशास्त्रियों के नाम बताइए, जिन्होंने भारतीय समाजशास्त्र में अग्रगामी योगदान दिया है।

1. गोविंद सदाशिव घुर्ये
2. धुर्जटी प्रसाद मुखर्जी
3. अक्षय रमनलाल देसाई
4. मैसूर नरसिंहाचार श्रीनिवास

2. How is caste traditionally associated with division of labour in society?

भारत में परम्परागत रूप से जाति किस प्रकार श्रम विभाजन से संबंधित है?

- पारम्परिक रूप में एक जाति में जन्म लेने वाला व्यक्ति अपने वंशानुगत व्यवसाय को ही अपनाता है। दूसरी ओर कुछ विशेष व्यवसाय एक विशेष जाति के लोग ही कर सकते थे। इन दोनों रूपों में भारत में जाति श्रम विभाजन से संबंधित थी।

3. What do you mean by the process of Sanskritization?

संस्कृतिकरण की प्रक्रिया से आपका क्या अभिप्राय है?

- वह प्रक्रिया जिसके द्वारा मध्यम या निम्न जातियाँ अपने से उच्च जातियों के सामाजिक आचार-व्यवहार और धार्मिक कर्मकाण्डों या रीति-रिवाजों को अपनाकर समाज में ऊपर की ओर बढ़ने का प्रयत्न करती है, संस्कृतिकरण कहलाती है। यह एम.एन. श्रीनिवास द्वारा दी गई अवधारणा है।

4. What do you understand by Child Marriage?

बाल विवाह से आप क्या समझते हैं?

- कानून द्वारा निर्धारित विवाह योग्य आयु (लड़की के लिए–18 वर्ष एवं लड़के के लिए–21 वर्ष) प्राप्त करने से पूर्व बचपन में ही माता-पिता द्वारा बच्चों का विवाह संस्कार कराने की प्रथा बाल विवाह कहलाता है।

5. Identify four major problems which the tribals in Rajasthan are facing.

उन चार मुख्य समस्याओं को रेखांकित करें, जिनका राजस्थान में जनजातियाँ सामना कर रही हैं।

- राजस्थान में जनजातियाँ निम्नलिखित समस्याओं का सामना कर रही हैं-
  1. निरक्षरता एवं इसके कारण सामाजिक पिछड़ापन एवं अंधविश्वासों का दुष्चक्र।
  2. सामाजिक-सांस्कृतिक अलगाव एवं अस्पृश्यता।
  3. गरीबी, ऋणग्रस्तता एवं आर्थिक पिछड़ापन एवं बंधुआ मजदूरी।
  4. धार्मिक अलगाव की समस्या।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 91166 91119

RAS 2018 MAINS (GS-I)

1. What is De-Sanskritization?
असंस्कृतीकरण क्या है?

- यह एम. एन. श्रीनिवास द्वारा दी गई संस्कृतिकरण की अवधारणा के विपरीत अवधारणा है। असंस्कृतिकरण में एक उच्च जाति अपनी पहचान को त्याग कर निम्न जाति के आदर्शों एवं मूल्यों का अनुकरण करती है ताकि वह कुछ लाभ ले सकें। जैसे- आरक्षण का लाभ।

2. What is 'Simantonnayan Sanskar?
'सीमन्तोन्नयन संस्कार' क्या है?

- सोलह संस्कारों में तीसरा संस्कार है- जो गर्भधारण के छठे या आठवें माह में होता है।
- सीमन्तोन्नयन से अभिप्राय सौभाग्य सम्पन्न होना है। इसका मुख्य उद्देश्य, गर्भिणी स्त्री और गर्भस्थ शिशु की रक्षा करना होता है।

3. Caste is an endogamous group. How?
जाति एक अन्तर्विवाही समूह है, कैसे?

- अन्तर्विवाह अर्थात् एक व्यक्ति उसी सांस्कृतिक समूह में वैवाहिक रिश्ता कर सकता है, जिसका वह पहले से सदस्य है। व्यक्ति का स्वजाति से बाहर विवाह निषेध होता है क्योंकि जाति एक बंद वर्ग है। अत: जाति एक अन्तर्विवाही समूह है।

4. What is social thought?
सामाजिक विचारधारा क्या है?

- सामाजिक विचारधारा का अर्थ उस विचारधारा से है, जो किसी व्यक्ति के सामान्य सामाजिक जीवन तथा उसके समक्ष आने वाली समस्याओं, उसके वैयक्तिक व सामाजिक संबंधों का अध्ययन व विश्लेषण करती है।

5. What is Sagari Custom Prohibition Act?
'सागड़ी प्रथा' निषेध अधिनियम क्या है?

- सागड़ी प्रथा एक बंधुआ मजदूर की प्रथा थी। इसके उन्मूलन हेतु भारत में बंधुआ मजदूर निषेध अधिनियम, 1976 पारित किया गया, जिसके तहत् सन् 1985 में सागड़ी प्रथा बंद कर दी गई।

RAS 2021 MAINS (GS-I)

1. What is 'Sharda Act'?
'शारदा एक्ट' क्या है?

- बाल विवाह को रोकने हेतु हरविलास शारदा द्वारा सन् 1929 में एक एक्ट लाया गया जो शारदा अधिनियम के रूप में 1 अप्रैल, 1930 को पूरे ब्रिटिश भारत में लागू हुआ, जिसके तहत् विवाह हेतु लड़की के लिए न्यूनतम आयु 14 वर्ष तथा लड़कों के लिए न्यूनतम आयु 18 वर्ष रखी गई थी।
- वर्ष 2006 में भारत सरकार ने शारदा एक्ट की जगह 'बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006' पास किया, जिसके तहत् विवाह के लिए लड़की की न्यूनतम आयु 18 वर्ष तथा लड़के की आयु 21 वर्ष निर्धारित की गई।

2. Why is caste system an example of inequality?
जाति व्यवस्था असमानता का उदाहरण क्यों है?

- जाति व्यवस्था में जन्म के आधार पर एक व्यक्ति को दूसरे व्यक्ति की तुलना में उच्च अथवा निम्न मान लिया जाता है। यह भावना असमानता व सामाजिक विभाजन को उत्पन्न करती है जो राष्ट्र एकता में बाधक बनती है। जाति व्यवस्था हिंदू समाज का खण्डात्मक विभाजन करती है। जाति संस्तरण, सहभोज पर प्रतिबंध, विभिन्न जातियों को (ब्राह्मणों को) प्राप्त धार्मिक विशेषाधिकार तथा निम्न जातियों पर अनेक निर्योग्यताएं आरोपित होना, व्यवसाय पर प्रतिबंध आदि जाति व्यवस्था असमानता के उदाहरण हैं।

3. What is Global Village?
वैश्विक गाँव क्या है?

- वैश्विक गाँव अर्थात् ग्लोबल विलेज से अभिप्राय विश्व के लोगों का संचार के माध्यमों तथा परिवहन/यातायात के माध्यम से जुड़ना है। दूसरे शब्दों में ऐसा आवासीय स्थान जहाँ विभिन्न देशों, विभिन्न विचारों और विभिन्न धार्मिक मान्यताओं के सभी लोगों के रहने की व्यवस्था की जाती है। उसे ही वैश्विक गाँव कहते हैं।

4. Define Political Corruption.
राजनीतिक भ्रष्टाचार को परिभाषित कीजिए।

- अनुचित या अवैध रूप से निजी लाभ के लिए कुछ राजनेता अनैतिक फायदों के लिए नौकरशाहों को पदोन्नति या धन का लालच देकर अपने साथ मिला लेते हैं तथा सरकारी अधिकारियों द्वारा अपनी विधायी शक्तियों का दुरुपयोग राजनीतिक भ्रष्टाचार कहलाता है। राजनेताओं द्वारा चुनावी खर्च हेतु गलत तरीकों से राशि एकत्रित करना तथा अवैध तरीकों से मतदाताओं से मत प्राप्त करके जीतना भी राजनीतिक भ्रष्टाचार है।

5. What is the eligibility of 'Old Age Pension' in Rajasthan.
राजस्थान में 'वृद्धावस्था पेंशन' की पात्रता क्या है?

➢ **पात्रता–**

- राज्य का स्थाई निवासी हो।
- आर्थिक रूप से कमजोर व जरूरतमंद वृद्धजन हो।
- आवेदन हेतु पुरुष की आयु 58 वर्ष और महिलाओं की आयु 55 वर्ष होनी आवश्यक है।
- परिवार की वार्षिक आय 48,000 रु. से कम हो।
- सरकारी कर्मचारी या अन्य किसी पेंशन का लाभार्थी योजना में आवेदन का पात्र नहीं होगा।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 91166 91119

RAS 2023 MAINS (GS-I)

1. वेस्टोक्सीकेशन से आपका क्या अभिप्राय है?
What do you mean by wastoxication?

उत्तर- यह शब्द ईरानी धर्मनिरपेक्ष बुद्धिजीवी जलाल-अल-ए-अहमद द्वारा दिया गया है। यह शब्द इस्लाम और इस्लामी दुनिया के पारंपरिक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों को नुकसान पहुँचाने के लिए पश्चिम के प्रति आकर्षण व निर्भरता का वर्णन करता है इसे पश्चिम के अंधाधुंध नकल करने के रूप में परिभाषित किया है। यह सांस्कृतिक साम्राज्यवाद व राजनीतिक वर्चस्व के दोहरे घटकों को जोड़ता है।

ईरान के आधुनिकीकरण कार्यक्रम के परिणामों का वर्णन करने के लिए ईरानी क्रांति के विचारक अली शरियाती द्वारा अपनाया गया था।

2. अर्जुन अप्पादुरई द्वारा वैश्विक समाज के संदर्भ में उल्लेखित सांस्कृतिक प्रवाह के स्वरूपों का उल्लेख कीजिए।
Mention the forms of cultural flow as described by Arjun Appadurai in the context of global society.

उत्तर- अर्जुन अप्पादुरई द्वारा वैश्विक समाज के संदर्भ में उल्लेखित सांस्कृतिक प्रवाह के स्वरूप में 5 आयाम शामिल किए गए हैं-

1. प्रवास
2. प्रौद्योगिकी
3. मीडिया
4. विचारधारा
5. वित्त

3. अनियत रोजगार/casual employment

उत्तर- जिस रोजगार में काम की गारंटी तभी मिलती है जब जरुरत होती है-

विशेषताएँ	चुनौतियाँ
स्थापित्य का अभाव	आर्थिक असुरक्षा
सामान्यत दैनिक मजदूरी	काम की अनिश्चितता
नियंत्रित कार्य समय नहीं	श्रमिक अधिकारों की कमी
असंगठित क्षेत्र में प्रचलन	गरीबी और सामाजिक असमानता

4. निर्धनता की संस्कृति / culture of poverty

उत्तर- यह एक सामाजिक अवधारणा है जिसे अमेरिकी मानवविज्ञानी ऑस्कर लुईस ने 1950-60 के दशक में प्रस्तुत किया। इस सिद्धांत के अनुसार गरीबी केवल आर्थिक स्थिति नहीं होती है बल्कि सांस्कृतिक प्रणाली बन गई है जो पीढ़ी दर पीढी स्थानान्तरित होती है।

5. दहेज प्रथा के दोष/कमियाँ/Demerits/Disadvantages of Dowry System

उत्तर-

1. कन्या भ्रूण हत्या को बढ़ावा।
2. नवविवाहितों के साथ विभिन्न प्रकार के उत्पीड़न (हिंसा, प्रताड़ना, अपमान, दुर्व्यवहार)
3. महिलाओं का शोषण।

RAS 2024 MAINS (GS-I)

1. 'जाति का धर्मनिरपेक्षीकरण' क्या है?

उत्तर- – जाति का धर्मनिरपेक्षीकरण वह प्रक्रिया है जहाँ धार्मिक आधार (पवित्रता-अपवित्रता) पर निर्भर जाति व्यवस्था राजनीतिक शक्ति, दबाव समूह एवं आरक्षण जैसे आधुनिक साधनों में परिवर्तित हो जाती है।

2. 'अलगाववादी सांप्रदायिकता' क्या है?

अलगाववादी सांप्रदायिकता सांप्रदायिकता का एक चरम रूप है जिसमें एक धार्मिक समुदाय अपनी अलग सांस्कृतिक पहचान बनाए रखने के लिए देश के भीतर एक अलग क्षेत्रीय राज्य या स्वतंत्र राष्ट्र की मांग करता है। यह विचार राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए गंभीर खतरा पैदा करता है।

3. 'सामाजिक-सांस्कृतिक वृद्धावस्था' से आप क्या अर्थ लगाते हैं?

उत्तर- – वह अवस्था जिसमें व्यक्ति की सामाजिक भूमिका, सांस्कृतिक मानदंड, परंपराएं और जीवनशैली में परिवर्तन होता है, जो उसके वृद्धावस्था के साथ जुड़ा होता है। यह केवल जैविक उम्र बढ़ने का परिणाम नहीं है, बल्कि इसमें समाज और संस्कृति की अपेक्षाएं, सामाजिक पहचान और वृद्धों के प्रति मान्यताएं शामिल होती हैं।

4. नशीली दवाओं के दुरुपयोग का सुदृढ़ीकरण सिद्धान्त क्या है?

उत्तर- – नशीली दवाओं के दुरुपयोग का सुदृढ़ीकरण सिद्धान्त कहता है कि दवा का सेवन एक अर्जित व्यवहार है। यह सकारात्मक सुदृढ़ीकरण (आनंद) या नकारात्मक सुदृढ़ीकरण (विड्रॉल/तनाव से राहत) द्वारा बनाए रखा जाता है, जिससे व्यक्ति बार-बार सेवन करता है।

5. 'जातीयता के वैश्वीकरण' से आप क्या समझते हैं?

उत्तर- – जातीयता के वैश्वीकरण' का अर्थ है जातीय पहचान, संस्कृति, और संबंधित सामाजिक-राजनीतिक गतिविधियों का वैश्विक स्तर पर प्रसरित होना और अन्तरराष्ट्रीय संदर्भ में उनकी महत्त्वपूर्ण भूमिका बनना।

❑❑❑

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 91166 91119

Part – B
5 MARKS

RAS 2016 SPECIAL MAINS (GS-I)

1. Differentiate between Caste and Class.
जाति और वर्ग में अंतर कीजिए।

जाति	वर्ग
जाति, जन्म से निर्धारित होती है।	वर्ग, सामाजिक स्थिति से निर्धारित होता है।
जाति जन्म की तारीख से तय की जाती है तथा इसमें परिवर्तन संभव नहीं है।	वर्ग व्यक्ति के जीवन के उत्तरार्ध में परिवर्तन के लिए खुला है।
जाति अंतर्विवाही समूह है।	वर्ग अंतर्विवाही समूह है।
जाति एक समूह।	वर्ग खुला समूह।

2. Explain the consequences of gender inequality in India.
भारत में लैंगिक असमानता के परिणामों को समझाइए।

1. लैंगिक असमानता के कारण महिलाओं को आज भी एक जिम्मेदारी समझा जाता है तथा उन्हें विकास के कम अवसर दिए जाते हैं।
2. पारिवारिक संपत्ति पर महिलाओं का अधिकार प्रचलन में नहीं है।
3. महिलाओं के रोजगार की अंडर-रिपोर्टिंग की जाती है। उनके द्वारा घरों के भीतर किए गए अवैतनिक कार्यों को जीडीपी में नहीं जोड़ा जाता है।
4. शिक्षा में महिलाओं का नामांकन कम है।

RAS 2016 MAINS (GS-I)

1. Describe the characteristics of caste given by G.S. Ghurye.
जी.एस. घुर्ये द्वारा प्रदत्त जाति की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

- जी.एस. घुर्ये द्वारा जाति की निम्नलिखित विशेषताएँ बताई गई हैं–
  1. जाति एक बंद खण्ड है, क्योंकि जाति का निर्धारण जन्म के आधार पर ही संभव है।
  2. जातीय समाज पारस्परिक कई अन्य खण्डों में बँटा है, अत: यह खण्डीय विभाजन पर आधारित संस्था है।
  3. सैद्धांतिक रूप से कोई भी दो जातियाँ आपस में समान नहीं होती। जातिगत समाज सोपानिक विभाजन पर आधारित होते हैं।
  4. जाति सामाजिक अंत: क्रिया पर अपने विस्तृत नियमों के द्वारा प्रतिबंध लगाती है।
  5. सोपानिक विभाजन तथा प्रतिबंधित सामाजिक अंत: क्रिया के सिद्धांतों के आधार पर विभिन्न जातियों के लिए भिन्न-भिन्न अधिकार तथा कर्त्तव्य निर्धारित होते हैं।
  6. जाति संस्था में जातिगत श्रम विभाजन में कठोरता देखी जाती है। विशिष्ट व्यवसाय, विशिष्ट जाति हेतु निर्धारित होते हैं।
  7. जाति विवाह पर कठोर प्रतिबंध लगाती है। एक जाति के सदस्य केवल अपनी जाति में ही विवाह कर सकते हैं।

2. Expalin the social consequences of terrorism.
आतंकवाद के सामाजिक परिणामों को समझाइए।

- संयुक्त राष्ट्र पैनल के अनुसार, लोगों को भयभीत करना अथवा सरकार या किसी अंतर्राष्ट्रीय संगठन को कोई कार्य करने या नहीं करने के लिए बाध्य करने के प्रयोजन से नागरिकों को मारना या शारीरिक क्षति पहुँचाना आतंकवाद कहलाता है। इसके सामाजिक परिणाम निम्नलिखित हैं-
  1. यह नागरिकों में भय का वातावरण उत्पन्न करता है।
  2. नागरिकों में परस्पर अविश्वास उत्पन्न करता है।
  3. यह धार्मिक सद्भाव को समाप्त करता है एवं साम्प्रदायिकता फैलाता है।
  4. राज्य के विकास के कार्यों को क्षति पहुँचाता है।
  5. सामाजिक मूल्यों का ह्रास होता है।
  6. क्षेत्रवाद, जातिवाद, अलगाववाद को बढ़ावा देता है।
  7. हिंसा को बढ़ावा देकर सामाजिक ताने-बाने को नष्ट करता है।

RAS 2018 MAINS (GS-I)

1. What are the changes brought by secularization in religion?
लौकिकीकरण ने धर्म में क्या परिवर्तन किए हैं?

- लौकिकीकरण का अर्थ है, राज्य स्वयं को धार्मिक मामलों से पृथक रखे तथा सरकार धर्म के आधार पर पक्षपात न करें। लौकिकीकरण को पंथनिरपेक्षिकरण भी कहते हैं। लौकिकीकरण ने धर्म में निम्नलिखित परिवर्तन किए हैं-
  (i) इसने सर्वधर्म समभाव जैसी एक व्यापक भावना को प्रस्तुत किया है।
  (ii) इसने धर्म में उपस्थित ऊँच-नीच की भावना को समाप्त कर समाज को एकता के सूत्र में बाँधने का प्रयास किया है।
  (iii) इसने समुदायों के वर्चस्व को समाप्त करने का प्रयास किया है।
  (iv) इसने भारतीय धर्म में उपस्थित जाति व्यवस्था को एक सामाजिक संरचना से परिवर्तित कर राजनीतिक दबाव समूह का रूप दिया है।
- इन सकारात्मक प्रभावों के अतिरिक्त लौकिकीकरण द्वारा समुदायों एवं व्यक्तियों की धार्मिक स्वतंत्रता में अत्यधिक हस्तक्षेप करने जैसे नकारात्मक पक्ष भी हैं।

2. What are the Constitutional efforts to solve the problems of tribes in Rajasthan?
राजस्थान की जनजातियों की समस्याओं के समाधान हेतु संवैधानिक प्रयास बताइए ।

- जनजातियाँ वह मानव समुदाय है, जो एक अलग निश्चित भू-भाग में निवास करती हैं। इनकी एक अलग संस्कृति, अलग रीति-रिवाज, अलग भाषा होती हैं। राजस्थान की जनजातियों की समस्याओं के समाधान हेतु निम्नलिखित प्रयास किए गए हैं-
  (i) संविधान की 5वीं अनुसूची में अनुसूचित क्षेत्र तथा अनुसूचित जनजातियों के प्रशासन एवं नियंत्रण का प्रावधान है।
  (ii) अनुच्छेद- 17 द्वारा समाज में अस्पृश्यता का निषेध किया गया है।
  (iii) अनुच्छेद- 46 के तहत् राज्यों को निर्देश दिया गया है कि वह अनुसूचित जाति/जनजाति व अन्य दुर्बल वर्गों की शिक्षा व उनके अर्थ संबंधी हितों की रक्षा करें।
  (iv) 89वें संविधान संशोधन अधिनियम (2003) द्वारा पृथक राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की स्थापना की गई है।
  (v) लोकसभा व विधानसभाओं में जनजातियों के लिए स्थानों का आरक्षण कर राजनीतिक हितों का भी संरक्षण किया गया है।
- इनके अतिरिक्त एक अधिसूचना के द्वारा वर्ष 2018 में राजस्थान के अनुसूचित क्षेत्र का विस्तार किया गया है। वर्तमान में बाँसवाड़ा, डूँगरपुर व प्रतापगढ़ जिले पूर्णत: अनुसूचित क्षेत्र है तथा उदयपुर, सिरोही, राजसमंद, चित्तौड़गढ़ और पाली जिले आंशिक अनुसूचित क्षेत्र हैं।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 91166 91119

RAS 2021 MAINS (GS-I)

1. Which attributes have been given for dominant caste by M.N. Srinivas?
एम.एन. श्रीनिवास द्वारा प्रभुजाति को स्पष्ट करने हेतु कौनसे लक्षण बताए गए हैं?

- एम.एन. श्रीनिवास के अनुसार– "एक जाति को प्रभु जाति तब कहा जाता है जब वह संख्यात्मक आधार पर किसी गाँव अथवा स्थानीय क्षेत्र में शक्तिशाली हो तथा आर्थिक और राजनीतिक रूप में अपने प्रभाव का प्रमुख रूप से प्रयोग करती हो, यह आवश्यक नहीं है कि परम्परागत जातीय संस्तरण में वह सर्वोच्च जाति के रूप में ही हो।"
- **प्रभुजाति की विशेषताएँ –**
  (i) किसी भी क्षेत्र या गाँव में एक बड़े भाग पर उस जाति के लोगों का अधिकार होना।
  (ii) गाँव के आर्थिक और राजनीतिक क्षेत्र में उस जाति के लोगों का प्रभुत्व होना।
  (iii) उस जाति की जनसंख्या अन्य जातियों की तुलना में अधिक होना।
  (iv) जाति संस्तरण के आधार पर उस प्रबल जाति का अधिक ऊँचा तथा सक्षम होना।

  उदाहरण – यदि किसी गाँव में ब्राह्मण/राजपूत की संख्या सर्वाधिक है तो स्वाभाविक रूप से उनका उस गाँव में आर्थिक और राजनीतिक क्षेत्र में अधिक प्रभाव रहता है। ब्राह्मण/राजपूत की जगह इसमें कोई अन्य जाति भी हो सकती है, जो जातीय स्तर पर निम्न ना हो, इसी को प्रभुजाति कहा जाता है।

2. Write five major problems of tribal community of Rajasthan.
राजस्थान की जनजातीय समुदाय की प्रमुख पाँच समस्याएँ लिखिए।

1. **सामाजिक समस्याएँ–**
   - बाल विवाह
   - कन्या मूल्य
   - वेश्यावृत्ति
   - नैतिकता का पतन
2. **सांस्कृतिक समस्याएँ–**
   - सांस्कृतिक भिन्नता
   - भाषा संबंधी समस्या
   - जनजाति संबंधी कला व संस्कृति का ह्रास होना
3. **आर्थिक समस्याएँ**
   - रोजगार की कमी
   - स्थानान्तरित कृषि की समस्या
   - ऋण ग्रस्तता की समस्या
4. **शैक्षणिक समस्याएँ**
   - अशिक्षा
   - अज्ञानता
   - अंधविश्वास बेरोजगारी
   - औद्योगिक मजदूरी की समस्या
5. **स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ**
   - स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता का अभाव
   - चिकित्सा सुविधा का अभाव
   - मानसिक तथा शारीरिक रोग
   - चर्म रोग

   इनके अतिरिक्त धार्मिक समस्याएँ, राजनीतिक समस्याएँ तथा भूमि संबंधी समस्याएँ भी हैं।

RAS 2023 MAINS (GS-I)

1. किस प्रकार जाति व्यवस्था समाज के खण्डात्मक विभाजन प्रस्तुत करती है?
How does caste system present segmental division of society?

उत्तर- जाति व्यवस्था भारतीय समाज की पुरानी सामाजिक संरचना है जो लोगों को जन्म के आधार पर विभिन्न वर्गों में बाँटती है, यह समाज में समानता व एकता की भावना को बाधित करती है और खण्डात्मकता को जन्म देती है।

जाति के समाज खण्डात्मक विभाजन के पहलू-

- सामाजिक असमानता- यह समाज को उच्च व निम्न जातियों में बाँटती है जिसमें सामाजिक असमानता बढ़ती है।
- सामाजिक तनाव व संघर्ष को बढ़ावा देती है।
- सामाजिक गतिशीलता में बाधक है।
- राजनीति का ध्रुवीकरण करती है तथा लोकतंत्र को कमजोर करती है।
- सामाजिक मेल-जोल में बाधा।
- आर्थिक विभाजन पैदा करती है।

2. गरासिया जनजाति की सामाजिक-आर्थिक प्रोफाइल (रूपरेखा) प्रस्तुत कीजिए।
Present the socio-economic profile of the Garasia tribe.

गरासिया जनजाति	
भाषा- गरासिया बोली बोलते है। राजस्थानी व गुजराती की मिलती जुलती है।	**आजीविका-** झूम कृषि, पशुपालन वनोपज संग्रह, मजदूरी-मनरेगा
धर्म- हिन्दु धर्म का पालन लेकिन लोक देवी-देवताओं में आस्था रखते है।	**शिक्षा-** अपेक्षाकृत निम्न
परिवार व विवाह- सयुक्त परिवार पाये जाते हैं तथा बाल विवाह व बाह्य गोत्र विवाह होते हैं।	**स्वास्थ्य पोषण-** कुपोषण, मातृ मृत्यु दर शिशु मृत्यु दर अपेक्षाकृत उच्च
पहनावा- **पुरुष-** धोती बगलबंदी पगडी **महिला-** रंगीन घाघरा ओढ़नी	भू-स्वामित्व- अधिकांश गरासिया सीमांत किसान या भूमिहीन
रहन-सहन- पर्वतीय व वन क्षेत्रों (सिरोही, पाली, उदयपुर) घर-मिट्टी, लकडी, घास-फूस के बनाए जाते हैं।	कुटीर हस्तशिल्प उद्योग - बाँस की टोकरिया - लोक परिधान
गरासियों के तीन वर्ग- मोटी न्यात नेनकी न्यात निचली न्यात	

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 91166 91119

RAS 2024 MAINS (GS-I)

1. वर्तमान संदर्भ में भारतीय राजनीति में जाति की भूमिका का उल्लेख करें।

उत्तर-

– **भारतीय राजनीति में जाति की भूमिका को निम्नलिखित बिंदुओं के द्वारा समझ जा सकता है:**

- **शक्तिशाली राजनीतिक हथियार:** जाति अब केवल सामाजिक पहचान नहीं, बल्कि एक शक्तिशाली राजनीतिक हथियार बन गई है।
- **चुनावी रणनीति:** यह जातिगत अंकगणित के आधार पर उम्मीदवार चयन और चुनावी लामबंदी का मुख्य आधार है।
- **नीतिगत प्रभाव:** आरक्षण और जाति जनगणना की मांगों के माध्यम से जाति एक हित समूह के रूप में सरकारी नीतियों को प्रभावित करती है।
- **प्रतीकवाद और पहचान का राजनीतिकरण:** राजनीतिक दल विशिष्ट जातियों के ऐतिहासिक महापुरुषों और प्रतीकों को अपनाकर और उनका सम्मान करके, उन समुदायों में वैधता और भावनात्मक जुड़ाव स्थापित करने का प्रयास करते हैं।
- **उप-जातीय और सूक्ष्म-लामबंदी:** राजनीतिक दल अब बड़े जाति समूहों (जैसे दलितों या OBCs) को एक अखंड इकाई नहीं मानते, बल्कि उप-जातीय समूहों को उनके विशिष्ट हितों के आधार पर अलग से लक्षित करते हैं। यह सूक्ष्म-राजनीतिकरण का प्रतीक है।
- **आधुनिक प्रवृत्ति:** वर्तमान में 'जाति-प्लस' राजनीति का उदय हुआ है, जहाँ जाति को राष्ट्रवाद और लाभार्थी योजनाओं के साथ जोड़ा जाता है।

2. जनजातीय समुदायों को सशक्त बनाने के संबंध में भारत सरकार द्वारा जनजातीय कल्याण के लिए की गई विभिन्न पहलों का उल्लेख करें।

उत्तर-

– भारत सरकार ने जनजातीय समुदायों के सशक्तिकरण के लिए विभिन्न पहलें शुरू की हैं, जिनमें शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, आजीविका सृजन और सांस्कृतिक संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया गया है।

जनजातीय कल्याण के लिए प्रमुख सरकारी पहलें

1. शिक्षा, कौशल और स्वास्थ्य -

- **एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय (EMRS):** दूरदराज के जनजातीय छात्रों के लिए गुणवत्तापूर्ण आवासीय शिक्षा प्रदान करना।
- **प्री-मैट्रिक और पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्तियाँ:** जनजातीय छात्रों को शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर वित्तीय सहायता देना।
- **आदिवासी शिक्षा ऋण योजना:** उच्च शिक्षा के लिए ऋण तक पहुँच सुनिश्चित करना।
- **जनजातीय अनुसंधान संस्थानों (TRIs) को सहायता:** जनजातीय संस्कृति, भाषा और पारंपरिक ज्ञान के संरक्षण हेतु अनुसंधान को बढ़ावा देना।
- **भगवान बिरसा मुंडा चेयर:** AIIMS में आदिवासी स्वास्थ्य, पारंपरिक चिकित्सा और टेली-मेडिसिन पर ध्यान केंद्रित करना।

2. आजीविका और आर्थिक सशक्तिकरण -

- **वन धन विकास कार्यक्रम:** लघु वन उपज के मूल्य संवर्धन और विपणन द्वारा जनजातीय आय में वृद्धि करना।
- **प्रधानमंत्री जनजातीय विकास मिशन (PMJVM):** जनजातीय उत्पादों के लिए बाज़ार संपर्क और कौशल विकास को बढ़ावा देना।
- **विशेष केंद्रीय सहायता से जनजातीय उप-योजना:** जनजातीय क्षेत्रों के विकास और कल्याणकारी गतिविधियों के लिए राज्यों को अतिरिक्त धन प्रदान करना।
- **आदिवासी महिला सशक्तीकरण योजना:** जनजातीय महिलाओं के बीच उद्यमशीलता और स्वयं सहायता समूहों को बढ़ावा देना।

विशेष फोकस और सांस्कृतिक संरक्षण -

- **प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (PM-JANMAN):** यह विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों **(PVTGs)** को लक्षित कर उनके आवास, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं की आवश्यकताओं को पूरा करने वाला एक व्यापक मिशन है।
- **जनजातीय गौरव दिवस:** हर साल 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर यह दिवस मनाना, जिसका उद्देश्य जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को सम्मान देना है।

ये पहलें यह सुनिश्चित करती हैं कि जनजातीय समुदायों का विकास सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक तीनों मोर्चों पर हो सके।

❑❑❑

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 91166 91119